	Gaurav Saxena	Rinki Gupta
जन्मतिथि	23-07-1998	04-09-1999
जन्मदिवस	गुरुवार	शनिवार
जन्म समय	00:50:00	14:48:00
जन्म स्थान	Delhi	Jaipur (Rajasthan)
राष्ट्र	India	India
अक्षांश	28.39 उ	26.53 उ
रेखांश	77.13 पू	75.50 पू
स्थानीय समय संशोधन	-21:8	-26:40
स्थानीय मानक समय	00:28:52	14:21:20
साम्पातिक काल	20:30:12	13:13:32
तिर्यक	23:26:22	23:26:22
लग्न	मेष	धनु
लग्नपति	मंगल	गुरु
राशी	मिथुन	मिथुन
राशी स्वामी	बुध	बुध
नक्षत्र	पुनर्वसु	अरिद्रा
नक्षत्र स्वामी	गुरु	राहु
चरण	2	1
तिथि	अमावस्या	दशमी कृष्ण
पाया	ताँबा	ताँबा
सूर्य सिद्धांत योग	हर्षण	सिद्धि
करण	चतुष्पद	वनिज
वर्ण	शूद्र	शूद्र
तत्व	जल	जल
वश्य	मानव	मानव
योनि	मार्जार(स्त्री.)	स्वान(स्त्री.)
गण	देव	मनुष्य
नाड़ी	आदि	आदि
नाड़ी पद	मध्य	अन्त
विहग	पिंगला	भेरुन्ड
प्रथम अक्षर	के, को, हा, ही	कु, घ, , छ
डेकानेट	1	2
सूर्य राशि	सिंह	कन्या

लड़के की ग्रह सारिणी

ग्रह	राशी	डिग्री	दिशा
लग्न	मेष	26:14:14	
रवि	कर्क	05:56:26	मार्गी
बुध	सिंह	01:42:34	मार्गी
शुक्र	मिथुन	09:58:50	मार्गी
मंगल	मिथुन	17:10:58	मार्गी
गुरु	मीन	04:11:12	वक्री
शनि	मेष	09:17:47	मार्गी
चन्द्र	मिथुन	26:25:22	मार्गी
राहु	सिंह	07:52:48	वक्री
केतु	कुम्भ	07:52:48	वक्री
इन्द्र	मकर	17:23:06	वक्री
वरुण	मकर	06:57:51	वक्री
रुद्र	वृश्चिक	11:37:11	वक्री

लड़की की ग्रह सारिणी

ग्रह	राशी	डिग्री	दिशा
धनु		11:25:44	
सिंह		17:33:20	मार्गी
सिंह		13:29:59	मार्गी
कर्क		25:48:39	वक्री
वृश्चिक		07:08:07	मार्गी
मेष		10:57:33	वक्री
मेष		23:18:14	वक्री
मिथुन		06:48:37	मार्गी
कर्क		18:50:31	मार्गी
मकर		18:50:31	मार्गी
मकर		19:55:08	वक्री
मकर		08:08:39	वक्री
वृश्चिक		13:57:33	मार्गी

लड़के की कुन्डली

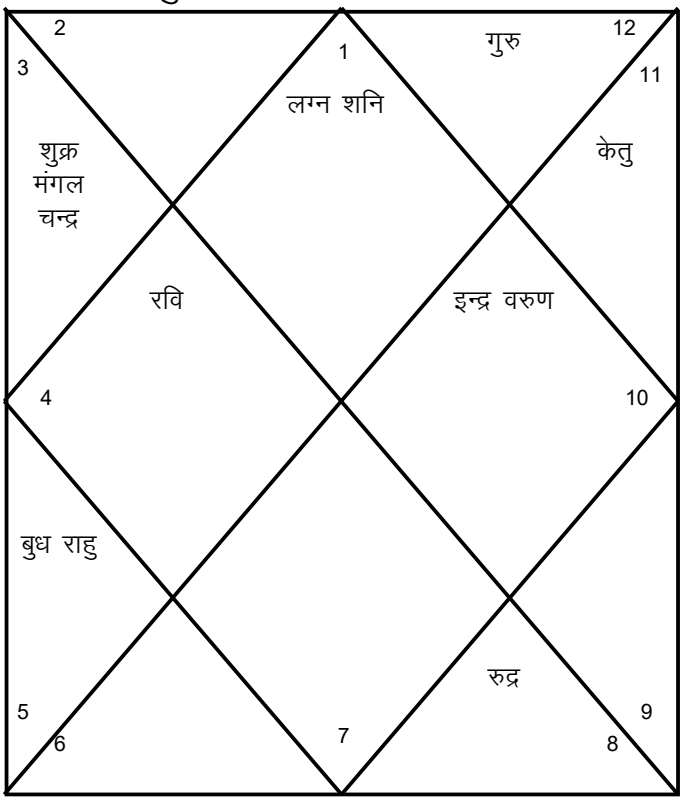

लड़की की कुन्डली

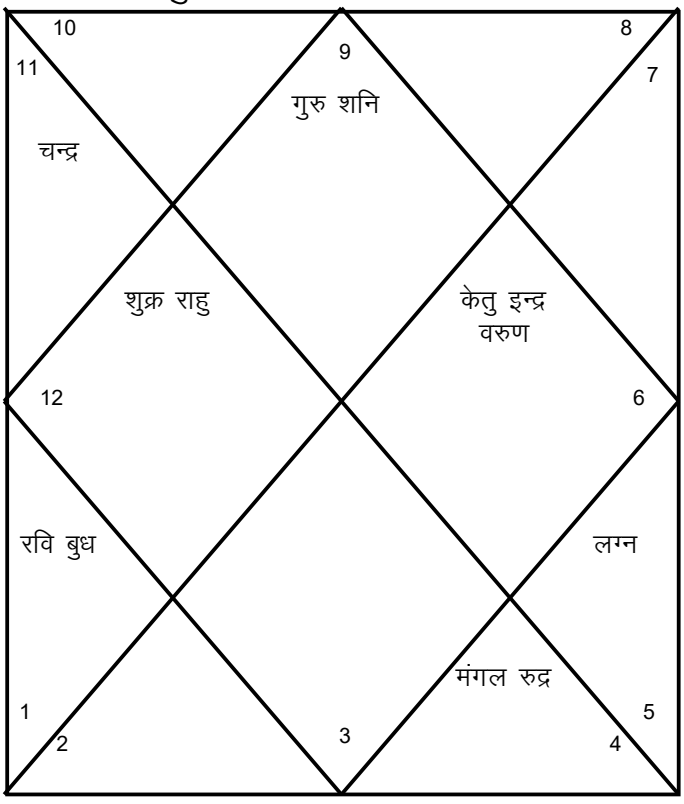

गुण मिलान तालिका

श्रेणी	लड़का	लड़की	अंक	सर्वाधिक अंक
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1
वश्य	मानव	मानव	2	2
तारा	सम्पत	परममित्र	3	3
योनी	मार्जार(स्त्री.)	स्वान(स्त्री.)	1	4
ग्रहमैत्री	बुध	बुध	5	5
गण	देव	मनुष्य	6	6
राशी	मिथुन	मिथुन	7	7
नाड़ी	आदि	आदि	0	8
कुल	---	---	25	36

गुण मिलान अंक हैं 25

कूट मिलान का स्कोर साधारण से कहीं ज्यादा है. वैवाहिक जीवन सुखमय होगा व दोनों पक्ष अपने जीवनसाथी के विचारों का आदर करेंगे और सफलता प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करेंगे.

मांगलिक विचार

लड़का मांगलिक है परन्तु व्यातिक्रम हेतु दोष खण्डित ह

अन्य कूट

	लड़का	लड़की	मेल
रज्जु	नाभि	कन्ठ	हां
महेन्द्र	पुनर्वसु	अरिद्रा	नहीं
स्त्री दीर्घ	पुनर्वसु	अरिद्रा	हां
वेध	पुनर्वसु	अरिद्रा	हां

विवाह मिलन के लिए कूटमिलान की व्याख्या

वर्ण

पुरुष तथा कन्या दोनों शुद्र वर्ण के अन्तर्गत आते हैं। यह एक बहुत अच्छा मिलान है। दोनों एक दूसरे की अधिक दक्ष तथा प्रभावी बनने मे मदद करते हैं। दोनो मिलकर घरेलू मामले देखते हैं। वे दोनो मिलकर अपना जीवन तथा सामाजिक स्तर ऊँचा उठाते हैं। चूंकि दोनों जन काफी मेहनती होते हैं इसीलिए वे अकसर एक दूसरे के प्रयासों की भी सराहना करते हैं। अच्छा विचार विनिमय तथा मिले जुले प्रयास किसी भी काम को आसान बना देते हैं। संक्षेप मे यह मिलान उत्कृष्ट है अब बाकी गुणों का भी विचार कर लेना चाहिए।

वश्य

पुरुष तथा कन्या दोनों मानव वश्य के अन्तर्गत आते हैं। यह मिलान मुश्किलों पारस्परिक सोच तथा विचार विनिमय द्वारा हल करने की इच्छा व क्षमता देता है। दोनों एक दूसरे को प्रोत्साहित करके तथा महत्वपूर्ण जानकारियाँ देकर उद्देश्य प्राप्ति में सहायता करते हैं। दोनो जातक पारिवारिक स्तर ऊँचा उठाने के लिए मिलकर काम करते हैं। दोनों मे परस्पर स्नेह और आदर की भावना रहती है इसलिए यह मिलान अच्छी तरह से हो जाता है।

तारा

पुरुष की तारा सम्पत है तथा कन्या की अतिमित्र। यह एक हर्ष तथा लाभदायक जोड़ रहेगा क्योंकि दोनों जातको को एक दूसरे की जरुरतों का पूरा ध्यान रहेगा। दोनों मे परस्पर सहयोग की भी इच्छा है तथा दोनों एक दूसरे को पर्याप्त आजादी तथा सकारात्मक सोच देंगे। दोनों जातक निष्ठावान मित्र होते हैं तथा वे सब प्राप्त कर सकते हैं जो कि सृजनात्मक कायो में आपसी सहयोग से संभव है।मुश्किल या विपरीत समय मे वे इकट्ठे संघर्ष करेंगे।

योनी

पुरुष की योनि बिलाव है तथा कन्या की श्वान। यह अच्छा मिलान नहीं है तथा दोनो इकटठे खुशी से नही रह पाते। पुरुष बहुत गर्म दिमाग वाला तथा घरेलू व भावुक कन्या के लिए असहनीय हो जाता है।कन्या तभी विचारपूर्ण कार्य करती है जब उसकी प्रशंसा की जाए जबकि पुरुष अपने ही मामलों में उलझा रहता है। पुरुष कन्या को ज्यादा ही प्रगतिशील व नखरे वाली समझता है। दोनो एक दूसरे से संतुष्ट नही रह पाते तथा उनके यौन सम्बन्ध भी ठीक से नहीं चल पाते।

ग्रहमैत्री

पुरुष तथा कन्या दोनो का राशी स्वामी बुध है। यह मिलान जातको के समान मानसिक विचारो को दर्शाता है। तथा दोनो को आपसी बातचीत में परेशानी होगी। जातक आपसी बातचीत के द्वारा समस्याओ को सुलझा सकते है। दोनो साहित्यिक लेखन तथा प्रकाशन संचार तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग दे सकते है। दोनो में बैध्धिक तथा वैज्ञानिक स्तर पर विचार मेल खाएगे।

गण

पुरुष का गण देव है तथा कन्या मनुष्य गण के अन्तर्गत आती है। गण मिलान के अनुसार यह सर्वोतम मिलान है। जातक एक दूसरे के जोश तथा सृजनात्मक कार्यो को बढावा देगे। कन्या पुरुष को धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक तथा कानूनी या दार्शनिक उदेश्यो की प्राप्ति में मदद कर सकती है। दोनो मिलजुल कर समान उदेश्यो तथा सिध्धांतो की प्राप्ति के साथ साथ सामाजिक सुधार के कार्यो

को भी अजाम दे सकते है। तथा कार्यो को पूरा करने के लिए एक दूसरे की उर्जा तथा इच्छाशक्ति को मजबूत करते रहेगे।

राशी

यह एक अच्छा मिलान नहीं है। दोनों का जीवन के प्रति एक सा दृष्टिकोण है। पुरुष कन्या के जोशीले स्वभाव से प्रभावित होता है तथा कन्या पुरुष के रंगीले तथा भावनापूर्ण स्वभाव से आकर्षित होती है। दोनों चुस्त, विनम्र तथा आकर्षक हैं। चूंकि उनका जीवन दर्शन एक सा है इसलिए वे एक ही उदेश्य की ओर आकर्षित होते हैं। इस विवाह से दोनो मे इक्टठे जीने की भावना जागती है। उनकी संतान उतम रहेगी। दोनों एक दूसरे की तरफ आकर्षित रहेंगे तथा विचारों का आदान प्रदान कर खुशी से रहेंगे।

नाड़ी

पुरुष तथा कन्या दोनों की नाड़ी आदि (आद्य) है। क्योंकि दोनो की नाड़ी एक ही है इसलिए शादी के लिए एक अच्छा मिलान नहीं है। अगर दोनों की नाड़ी एक हो परन्तु चरण या पाद भिन्न हो तो कोई खतरा नहीं है। इस तरह बिना दूसरी बारे सोचे जातक विवाह के लिए जा सकता हे।